4ono.com
For more sample papers visit : www.4ono.com

हिन्दी (पाठ्यक्रम -अ)
Class 10th

CLASS: X — TIME: 3 HOURS

कक्षा ः दसवीं (कोड संख्या - 002) — **निर्धारित समय ः 3 घंटे**

अधिकतम अंक ः 90

1 कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न पत्र में 17 प्रश्न हैं।
2 कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले प्रश्न संख्या अवश्य लिखें।
3 इस प्रश्न-पत्र के चार खण्ड हैं – क , ख, ग , घ।
4 चारों खण्डों के प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य है।
5 यथासंभव प्रत्येक खण्ड के उत्तर कमशः दीजिए।

खण्ड – क

प्रश्न 1 निम्नलिखित गद्यांश को पढकर नीचे दिए गए प्रश्नों के सही विकल्प छाँटकर लिखिए :- (1 x 5=5)

विद्यार्थी जीवन को मानव जीवन की रीढ की हड्डी कहे तो कोई अतिशयोक्ति नहीं रहेगी। विद्यार्थी काल में बालक में जो संस्कार पड जाते हैं जीवन भर वहीं संस्कार अमिट रहते हैं। इसलिए इस काल को आधार शिला कहा गया है। यदि यह नींव दृढ बन जाती है, तो जीवन सुदृढ और सुखी बन जाता है। यदि इस काल में बालक कष्ट सहन कर लेता है तो उसका स्वास्थ्य सुंदर बनता है। यदि मन लगातार अध्ययन कर लेता है तो उसे ज्ञान मिलता है, उस का मानसिक विकास होता है। जिस वृक्ष को प्रारंभ से सुन्दर सिंचन और खाद मिल जाती है, वह पुष्पित एवं पल्लवित हो कर संसार को सौरभ देने लगता है। इसी प्रकार विद्यार्थी काल में जो बालक श्रम, अनुशासन, समय एवं नियामन के ढाँचे में ढल जाता है, वह आदर्श विद्यार्थी बन कर सभ्य नागरिक बन जाता है।

सभ्य नागरिक के लिए जिन -जिन गुणों की आवश्यकता है, उन गुणों के लिए विद्यार्थी काल ही तो सुन्दर पाठशाला है। यहां पर अपने साथियों के बीच रह कर वे सभी गुण आ जाने आवश्यक हैं जिन की विद्यार्थी को अपने जीवन में आवश्यकता होती है।

i) मानव जीवन की रीढ की हड्डी विद्यार्थी जीवन को क्यों माना गया है ?

क) क्यों कि जो संस्कार पड जाते हैं जीवन भर वहीं संस्कार अमिट रहते हैं। ख) पूरा जीवन विद्यार्थी जीवन पर चलता है।

ग) विद्यार्थी जीवन सुखी जीवन है। घ) विद्यार्थी का जीवन स्वस्थ जीवन है।

ii) जिस वृक्ष को प्रारंभ से ही खाद मिल जाती है वह कैसा हो जाता है ?

क) कुफल देने वाला ख) सुफल देने वाला

ग) सौरभ देने वाला घ) उपर्युक्त सभी

iii) आदर्श विद्यार्थी से क्या तात्पर्य है ?

4ono.com
myCBSEguide.com
A Complete guide for CBSE students

क) जो परिश्रमी हो ख) जो अनुशासित हो

ग)जो समय के अनुरूप चल सके घ)उपर्युक्त सभी

iv) विद्यार्थी काल को पाठशाला क्यों कहा जाता है ?

क) साथियों साथ रह सकते हैं ख)मानव जीवन की रीढ की हड्डी होने से

ग) सभ्य नागरिक के लिए आवश्यक गुण सीखने के लिए घ) इनमें से कोई नहीं

v) उपर्युक्त गद्यांश के लिए उचित शीर्षक दीजिए।

क) आदर्श नागरिक ख)विद्यार्थी जीवन

ग)सुखी जीवन घ)मानसिक विकास

प्रश्न 2 निम्नलिखित गद्यांश को पढकर नीचे दिए गए प्रश्नों के सही विकल्प छाँटकर लिखिए :- (1 x 5=5)

प्रकृति और हमारा तादात्म्य संबंध है। यह संबंध आज का नहीं, बल्कि जब से सृष्टि की उत्पत्ति हुई है , तभी से यह संबंध शुरू हो गया था। प्रातः काल उठते ही जब हम पूर्व दिशा की ओर दृष्टिपात करते हैं, तो उषा की लाली बरबस हमारा मन मोह लेती है। वर्षा ऋतु में उमडते घुमडते मेघों की गडगडाहट , कलकल बहती नदियों का मधुर स्वर, पहाडों से झरझर प्रवाहित होते निर्झर, बरसात के बाद आकाश में अपने सतरंगी रूप को छलकाता इन्द्रधनुष, पूर्णिमा की रात को पूरे चाँद की चाँदनी का मनमोहक सौंदर्य, वनों- उपवनों में पक्षियों की मीठी गुंजार, मलयाचल से आने वाली ठंडी और सुगन्धित हवा, टिमटिम करते तारों से खचित नीला अम्बर, ये सब हृदय को आह्लादित करने वाले मनोरम दृश्य स्वतः ही हमारे नयनों में समा जाते हैं तथा एक प्रकार के दिव्य आनन्द का हम अनुभव करने लगते हैं।

i) किसका प्रकृति से तादात्म्य संबंध रहा है ?

क) जानवरों का ख) मनुष्य का ग) लेखक का घ) नदियों का

ii) हमारा मन कौन मोह लेता है ?

क) पूर्व दिशा ख) सूर्य की किरणें ग) वर्षा के मेघ घ) उषा की लाली

iii) किसका सौंदर्य मनमोहक है ?

क) पूर्णिमा की रात की चाँदनी का ख)चाँद का ग)पूर्णिमा की रात का घ) इन्द्रधनुष का

iv) हम कब दिव्य आनंद का अनुभव करने लगते हैं ?

क) प्रकृति के सौंदर्य को देखकर ख) ईश्वर की शरण में जाकर

ग) प्रकृति के साथ खेलकर घ) हृदय में प्रसन्नता होने पर

v) प्रकृति के विभिन्न उपादान हृदय पर क्या प्रभाव डालते हैं ?

क) हृदय में समा जाते हैं। ख) हृदय को द्रवीभूत करते हैं।

ग) हृदय को आह्लादित करते हैं। घ) हृदय को रोमांचित करते हैं

4ono.com

प्रश्न 3 निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढकर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर का सही विकल्प लिखिए :- (1 x 5=5)

माटी, तुझे प्रणाम !

मेरे पुण्य देश की माटी, तू कितनी अभिराम !

तुझे लगा माथे से सारे कष्ट हो गए दूर

क्षण-भर में ही भूल गया मैं शत्रु-यंत्रणा क्रूर,

सुख- स्फुर्ति का इस काया में हुआ पुनः संचार

लगता जैसे आज युगों के वाद मिला विश्राम

माटी तुझे प्रणाम !

तुझ से विछुड मिला प्राणों को कभी न पल-भर चैन,

तेरे दर्शन हेतु रात-दिन तरस रहे थे नैन,

धन्य हुआ तेरे चरणों में आकर यह अस्तित्व -

हुई साधन सफल, भक्त को प्राप्त हो गए राम !

माटी तुझे प्रणाम !

अमर मृतिके ! लगती तू पारस से वढ कर आज,

कारा - जड जीवन सचेत फिर, तुझ को छू कर आज,

मरणशील हम, किन्तु अमर तू है अमृर्त्य यह धाम-

हम मर-मर कर अमर करेंगे तेरा उज्जवल नाम!

i) कवि किसे प्रणाम कर रहा है ?

क)देश की माटी ख)देश की वनस्पति ग) देश के जंगल घ) देश के पहाड़

ii) मातृ भूमि को प्रणाम करने के वाद कैसी अनुभूति होती है ?

क)अति प्रसन्नता ख)असीम दुख ग)अति उदासी घ) असीम सुख

iii) माटी से विछुडने पर कवि को कैसा अनुभव हुआ ?

क)वनवासी जैसा ख) जेल जैसा अनुभव ग) वेचैनी का अनुभव घ) उपर्युक्त सभी

iv) अमर्त्य शव्द का अर्थ स्पष्ट कीजिए

क)जिसे मौत न आये ख)सदा मौत का डर ग) मरना निश्चित हो घ) उपर्युक्त सभी

4ono.com

v) उपर्युक्त काव्यांश का उचित शीर्षक दीजिए।

क)मेरे देश के सपूत ख)मेरे खेत की माटी ग) देश के अमर सेनानी घ) मेरे देश की माटी

प्रश्न 4 निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढकर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर का सही विकल्प लिखिए :- (1 x 5=5)

ऋतु वसंत का सुप्रभात था
मंद- मंद था अनिल बह रहा था
बालारूण की मृदु किरणें थीं
अगल- बगल स्वर्णिम शिखर थे
एक- दूसरे से विरहित हो
अलग -अलग रहकर ही जिनको
सारी रात बितानी होती,
निशा काल से चिर-अभिशपित
बेबस उस चकवा -चकई का
बंद हुआ कंदन, फिर उनमें
उस महान सरवर के तीरे
शेवालों की हरी दरी पर
प्रणय-कलह छिडते देखा है।
बादल को घिरते देखा है।
दुर्गम बरफानी घाटी में
शत-सहस्र फुट ऊँचाई पर
अलख नाभि से उठनेवाले
निज के ही उन्मादक परिमल-
के पीछे धावित हो -होकर
तरल तरूण कस्तूरी मृग को
अपने पर चिढते देखा है।
बादल को घिरते देखा है।

i) कवि ने किस सुप्रभात की बात की है ?

क)वसंत ऋतु के ख)शरद ऋतु ग) वर्षा ऋतु के घ) ग्रीष्म ऋतु के

ii) किसको अलग अलग रहकर रात बितानी पडती थी ?

क) चकवा - चकवे को ख) प्रेमी - युगल को ग) चकवा- चकई को घ) अभिशापित जोड़े को

iii) कवि ने किसे घिरते देखा है ?

क) मेघ को ख)जलज को ग) चकवा- चकई को घ) धूल को

iv) स्वयं अपने पर कौन चिढ रहा है ?

क)चकवा ख) तरूण मृग ग) पक्षी घ) कस्तूरी मृग

v) उपर्युक्त काव्यांश का उचित शीर्षक बताइए।

क) बादल को उडते देखा है ख) बादल को गिरते देखा है ग)बादल को चढते देखा है घ) बादल को घिरते देखा है

4ono.com

खण्ड – ख

प्रश्न 5 निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित पदों का व्याकरणिक परिचय दीजिए : (1 x 5=5)

क) रमेश बहुत भाग्यशाली है।

ख) मुझे बार बार घर की याद आती है।

ग) दौडकर जाओ और कुछ ले आओ ।

घ) मैं उसे पिछले वर्ष मिला था।

ङ) अच्छा ! तुम भी वहाँ रहते हो।

प्रश्न 6 निम्नलिखित वाक्यों के उत्तर कोष्ठक में दिए निर्देशानुसार लिखिए। (1 x 5=5)

क) छात्र सफल हो गए (उद्देश्य और विधेय लिखिए)

ख) सत्य बोलने वालों की सदा जीत होती है। (मिश्र वाक्य में बदलिए)

ग) बीमार होने के कारण श्याम विद्यालय न आ सका। (संयुक्त वाक्य में रचनांतरण कीजिए)

घ) मेरे जीवन का लक्ष्य है कि मैं अध्यापक बनूँ। (आश्रित उपवाक्य अलग करके भेद लिखिए)

ङ) गीता और प्रमोद ने पाठ पढा। (वाक्य का भेद लिखिए)

प्रश्न 7 निर्देशानुसार उत्तर दीजिए- (1 x 5=5)

क) कर्तृ वाच्य में किया का सीधा संवंध किससे होता है ?

ख) हमने सुन्दर चित्र देखे। (कर्मवाच्य में बदलिए)

ग) अब चला जाए। (वाच्य भेद वताइए)

घ) तुमसे फूल तोडे जाएँगे (कर्तृवाच्य में बदलिए)

ङ) बच्चा ज़ोर ज़ोर से रो रहा था (भाव वाच्य में बदलिए)

प्रश्न 8 निम्नलिखित पंक्तियों में आये अलंकार को पहचानिए : (1 x 5=5)

क) पीपर पात सरिस मन डोला।

ख) आए महंत वसंत।

ग) कालिंदी कुल कदंब की डारन।

घ) उस काल मारे कोध के तन काँपने उनका लगा।

मानो हवा के ज़ोर ज़ोर से सोता हुआ सागर जागा।।

4ono.com

ङ) मानवीकरण अलंकार का एक उदाहरण दीजिए।

खण्ड – ग

प्रश्न 9 निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी एक उत्तर पूछे गए प्रश्नों के विकल्पों से छाँटकर लिखिए :- (1 x 5=5)

यशकामना बल्कि कहूँ कि यश-लिप्सा, पिताजी की सबसे बड़ी दुर्बलता थी और उसके जीवन की धूरी था यह सिद्धांत कि व्यक्ति को कुछ विशिष्ट बन कर जीना चाहिए... कुछ ऐसे काम करने चाहिए कि समाज में उनका नाम हो सम्मान हो प्रतिष्ठि हो वर्चस्व हो। इसके चलते ही मैं दो एक बार उनके कोप से बच गई थी। एक बार कॉलेज से प्रिन्सिपल का पत्र आया था कि पिता जी आकर मिलें और बताएँ कि मेरी गतिविधियों के कारण मेरे खिलाफ़ अनुशासनात्मक कार्यवाही क्यों न की जाए? पत्र पढते ही पिताजी आग बबूला। " यह लडकी मुझे कहीं मुँह दिखाने लायक नहीं रखेगी...पता नहीं क्या-क्या सुनना पडेगा वहाँ जाकर! ..."

i) पिताजी की सबसे बडी दुर्बलता थी ?

क) धन दौलत ख) मान मर्यादा ग) यशलिप्सा घ) क्रोधी व्यवहार

ii) पिताजी के जीवन की धूरी का सिद्धांतन **नहीं** था ?

क) सदैव यश की कामना ख) सादा जीवन उच्च विचार

ग)वर्चस्व प्रतिष्ठा का बने रहना घ) सदैव सम्मान की कामना

iii) कॉलेज के प्रिन्सिपल ने किसे पत्र भेजा ?

क) माताजी को ख) मन्नुभंडारी को ग) माता पिता को घ) लेखिका के पिता को

iv) आग बबूला होने का क्या अर्थ है ?

क) चेहरा लाल होना ख) तन बदन में आग जल उठना

ग) क्रोधित होना घ) बबूल में आग जल उठना

v) यश का विलोम है-

क) अपयश ख) यशोगान ग) यशस्वी घ) यशोगाथा

अथवा

एक संस्कृत व्यक्ति किसी नयी चीज की खोज करता है , किंतु उसकी संतान को वह अपने पूर्वज से अनायास ही प्राप्त हो जाती है। जिस व्यक्ति की बुद्धि ने अथवा उसके विवेक ने किसी भी नए तथ्य का दर्शन किया , वह व्यक्ति ही वास्तविक संस्कृत व्यक्ति है और उसकी संतान , जिसे पूर्वज से वह वस्तु अनायास ही प्राप्त हो गई, वह अपने पूर्वज की भाँति सभ्य भले ही बन जाए , संस्कृत नहीं कहला सकता। एक आधुनिक उदाहरण लें। न्यूटन ने गुरूत्वाकर्षण के सिद्धांत का आविष्कार किया वह संस्कृत मानव था। आज के युग का भौतिक विज्ञान का विद्यार्थी न्यूटन के गुरूत्वाकर्षण से तो परिचित है ही लेकिन उसके साथ उसे और भी अनेक बातों का ज्ञान प्राप्त है। जिनसे शायद न्यूटन अपरिचित ही रहा। ऐसा होने पर भी हम आज के भौतिक विज्ञान के विद्यार्थी को न्यूटन की अपेक्षा अधिक सभ्य कह सकें पर न्यूटन जितना संस्कृत नहीं कह सकते।

i) संस्कृत व्यक्ति की खोज उसकी संतान को कैसे प्राप्त होती है ?

4ono.com

क) छीनकर ख) खोजकर ग) पूर्वज से अनायास घ) श्रम से

ii) वास्तविक संस्कृत व्यक्ति किसे बताया गया है ?

क) जो विवेक हीन होता है ख) विवेक से नए की खोज करता है ग) जो विवेचना करता है घ) जो विज्ञान पढता है

iii) न्यूटन का उदाहरण क्यों दिया गया है ?

क) बाग में घूमने के लिए ख) पेड से गिरते फल देखने के लिए

ग) विज्ञान का अर्थ समझाने के लिए घ) संस्कृत व्यक्ति के स्वरूप को समझने के लिए

iv) न्यूटन ने क्या खोज था ?

क) गुरूत्वाकर्षण का नियम ख) ज्ञान का सिद्धांत ग) गिरने का सिद्धांत घ) गुरूत्वाकर्षण का सिद्धांत

v) गद्यांश में मुख्य चर्चा किसकी है ?

क) संतानों की ख) पूर्वजों की ग) न्यूटन की घ) संस्कृत व्यक्ति की

प्रश्न 10 किसी **एक** प्रश्न का उत्तर विस्तार से लिखिए। (4 x 1=4)

'स्त्रियों को पढाने से अनर्थ होते हैं' - कुतर्कवादियों की इस दलील का खंडन द्विवेदीजी ने कैसे किया है अपने शब्दों में लिखिए।

अथवा

मनुष्य के जीवन में आस-पडोस का बहुत महत्त्व होता है। परंतु महानगरों में रहने वाले लोग प्रायः पडोस कल्चर से वंचित रह जाते हैं। इस बारे में अपने विचार लिखिए।

प्रश्न 11 निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** के संक्षिप्त उत्तर लिखिए। (2x 3=6)

1 बिस्मिल्लाखाँ को शहनाई की मंगलध्वनि का नायक क्यों कहा गया है ?

2 लेखक की दृष्टि में सभ्यता और संस्कृति की सही समझ अब तक क्यों नहीं बन पाई है ?

3 मन्नु भंडारी के लेखकीय व्यक्तित्व पर किसकी भूमिका महत्त्वपूर्ण रही और कैसे ?

4 तब की शिक्षा प्रणाली और अब की शिक्षा प्रणाली में क्या अंतर है ?

प्रश्न 12 निम्नलिखित पद्यांशों में से किसी **एक** उत्तर पूछे गए प्रश्नों के विकल्पों से चुनकर लिखिए :- (1 x 5=5)

विहसि लखनु बोले मृदु बानी। अहो मुनीसु महाभट मानी।।

पुनि पुनि मोहि देखाव कुठारू। चहत उडावन फूँकि पंहारू।।

इहाँ कुम्हडवतिया कोउ नाहीं। जे तरजनी देखि मरि जाहीं।।

देखी कुठारू सरासन बाना। मैं कछु कहा सहित अभिमाना।।

भृगुसुत समुझि जनेउ बिलोकी।जो कछु कहहु सहौं रिस रोकी।।

4ono.com

सुर महिसुर हरिजन अरू गाई। हमरे कुल इन्ह पर न सुराई।।

वधें पापु अपकीरति हारें। मारतहु पा परिअ तुम्हारें।।

कोटि कुलिस सम बचनु तुम्हारा। व्यर्थ धरहु धनु बान कुठारा।।

i) परशुराम बार बार कुल्हाडी क्यों दिखा रहे थे ?

ii) कुम्हडबतिया किसका प्रतीक है ?

iii) रघुकुल की क्या परंपरा है ?

iv) 'कोटि कुलिस सम बचनु तुम्हारा' में कौन सा अलंकार है ?

v) काव्यांश में प्रयुक्त भाषा कौन सी है ?

अथवा

कितना प्रमाणिक था उसका दुख

लडकी को दाने में देते वक्त

जैसे वही उसकी अंतिम पूँजी हो,

लडकी अभी सयानी नहीं थी

अभी इतनी भोली सरल थी

कि उसे सुख का आभास तो होता था

लेकिन दुख बाँचना नहीं आता था

पाठिका थी वह धुँधले प्रकाश की

कुछ तुकों और कुछ लयबद्ध पंक्तियों की ।

i) कवि और कविता का नाम लिखिए।

ii) काव्यांश में किसके दुख को प्रामाणिक बताया गया है ?

iii) माँ की अंतिम पूँजी क्या थी ? उसे दान में देते समय दुख क्यों था ?

iv) 'बेटी अभी सयानी नहीं थी' में माँ की अन्तर्वेदना है कैसे ?

v) काव्यांश की भाषा क्या है ?

प्रश्न 13 निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखिए। (2 x 5 =10)

1 'छाया' शब्द यहाँ किस संदर्भ में प्रयुक्त हुआ है कवि ने उसे छूने के लिए मना क्यों किया है ?

2 संगतकार किन किन रूपों में मुख्य गायक गायिकाओं की मदद करते हैं ?

4ono.com

3 आपकी दृष्टि में कन्या के साथ दान की बात करना कहाँ तक उचित है ?

4 समय बीत जाने पर भी उपलब्धि मनुष्य को आनंद देती है क्या आप ऐसा मानते हैं तर्क सहित लिखिए।

5 राम लक्ष्मण परशुराम संवाद के आधार पर परशुराम की स्वभावगत विशेषताए लिखिए।

प्रश्न 14 आज की पीढी द्वारा प्रकृति के साथ किस तरह का खिलवाड किया जा रहा है इसे रोकने में आपकी क्या भूमिका होनी चाहिए ? **4**

अथवा

हिरोशिमा की घटना विज्ञान का भयानकतम दुरूपयोग है। आपकी दृष्टि में विज्ञान का दुरूपयोग कहाँ कहाँ और किस तरह हो रहा है ?

प्रश्न 15 निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **<u>तीन</u>** के उत्तर संक्षेप में लिखिए। (2 x 3=6)

1 गंतोक को 'मेहनतकश बादशाहों का शहर' क्यों कहा गया ?

2 भारत के स्वाधीनता आन्दोलन में दुलारी और टुन्नू ने अपना योगदान किस प्रकार दिया ?

3 'एही ठैया झुलनी हेरानी हो रामा !' का प्रतीकार्थ समझाइए।

4 लेखक ने अपने आपको हिरोशिमा के विस्फोट का भोक्ता कब और किस तरह महसूस किया ?

खंड- घ

प्रश्न 16 आपका भाई शैक्षणिक यात्रा पर एक वर्ष के लिए जापान जा रहा है। उसकी मंगलमय यात्रा व प्रवास की कामना करते हुए पत्र लिखिए।

अथवा

अपने क्षेत्र के स्वस्थ्य अधिकारी को पत्र लिखकर गंदगी को साफ करवाने की प्रार्थना कीजिए। **5**

प्रश्न 17 संकेत बिंदुओं के आधार पर किसी **एक** विषय पर 100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए। **5**

i) आज का समाज और नारी (भूमिका , नारी की वर्तमान स्थिति, महिला सशक्तीकरण की उपेक्षा , स्त्री को समान अधिकार, नारी की महत्ता , उपसंहार)

ii) परहित सरिस धर्म नहिं भाई

परपीडा सम नहिं अधमाई (भूमिका, परोपकार का गुणगान , परोपकारः प्रकृति का संदेश , परोपकार की महान परंपरा ,परोपकार में सच्चा आनंदउपसंहार)

iii) महँगाई की समस्या (भूमिका , मूल्य वृद्धि के कारण, स्वार्थ भावना, महँगाई की समस्या का समाधान, उपसंहार)S

For more sample papers visit : www.4ono.com